

## Padma Bhushan



### **DR. ASHWIN BALACHAND MEHTA**

Dr. Ashwin Balachand Mehta is a renowned Cardiologist having illustrious career of over 5 decades.

2. Born on 3<sup>rd</sup> March, 1939, Dr. Mehta has been a brilliant student at all examinations and secured 19 gold medals and distinctions at MD & MBBS examinations. He provided completely free service from 1967 onwards for more than 30 years to Sion General Hospital. He organised free check-up camps and treated patients free at Sion Hospital, Mahavir Heart Foundation, U N Mehta Hospital Ahmedabad and at places like Rajkot, Porbandar, Kolhapur, Dapoli etc and also taught the art of Angioplasty to the local doctors. He has taught cardiology to hundreds of undergraduates and postgraduate doctors. He was invited as Teacher at France, Japan, China, Italy, U.S.A., Sri Lanka and Singapore for demonstrating techniques of Angioplasty. During his assignment at LTMG Sion Hospital (completely free), he has treated thousands of patients free of cost; providing them the treatment with high-grade technology of Cardiology. He set up state-of-the-art Cardiovascular Departments both at Jaslok and L.T.M. Medical College, Mumbai.

3. During his exemplary career, Dr. Mehta has numerous milestones to his credit like pioneer in starting Angiography in 1973 and Angioplasty in 1988; one of the first one to start Catheterization in new-born babies in 1973; first one to start his Bundle Electrography in 1974-75; first one to start 2D- Echocardiography in Maharashtra. He pioneered in starting Primary Angioplasty in acute Myocardial Infarction and published the first paper on the same subject in 1993. He is the first one to implant medicated drug eluting stent in India in 2002; one of the pioneers in starting Percutaneous Cardio-pulmonary support assisted angioplasty and first one to perform a Trans-catheter Aortic Valve Replacement in Western India in 2013.

4. Dr. Mehta has won several awards for his contribution to cardiology and service to Humanity like Padma Shri Award in 2004; Maharashtra Gaurav Award by the Government of Maharashtra in 2004; Andreas Gruentzig Memorial Award; Golden Contribution Award received at AICT 2012 at New Delhi; Life Time Achievement Award at the 1<sup>st</sup> IJCTO meet at Mumbai; Life Time Achievement Award at CSI Conference 2018 and by the Asia Pacific Vascular Intervention Couse society; "Dronacharya of Interventional Cardiology" award by Continuous Medical Education Award & Summit 2019; first Jaslok Ratna Award by the Trustees & Management of Jaslok Hospital & Research Centre in the year 2020; Excellence in Cardiology Award at The Times Healthcare Leaders Award 2021; Vishesh Puraskar from Master Dinanath Mangeshkar Smriti Pratishthan for exemplary contribution to the field of Cardiology.

## पद्म भूषण



### डॉ. अश्विन बालाचंद मेहता

डॉ. अश्विन बालाचंद मेहता प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ हैं, जिनका 5 दशकों से अधिक समय का उल्लेखनीय करियर रहा है।

2. 3 मार्च, 1939 को जन्मे डॉ. मेहता सभी परीक्षाओं में एक प्रतिभाशाली छात्र रहे हैं और उन्होंने एमडी और एमबीबीएस परीक्षाओं में 19 स्वर्ण पदक और विशेष योग्यता प्राप्त की हैं। उन्होंने 1967 से 30 वर्षों से अधिक समय तक सायन जनरल अस्पताल को पूरी तरह से मुफ्त सेवा प्रदान की। उन्होंने सायन हॉस्पिटल, महावीर हार्ट फाउंडेशन, यूएन मेहता हॉस्पिटल, अहमदाबाद और राजकोट, पोरबंदर, कोल्हापुर, दापोली आदि स्थानों पर मुफ्त जांच शिविर आयोजित किए और मरीजों का मुफ्त इलाज किया तथा स्थानीय डॉक्टरों को एंजियोप्लास्टी तकनीक भी सिखाई। उन्होंने सैकड़ों स्नातक और स्नातकोत्तर डॉक्टरों को कार्डियोलॉजी पढ़ाई है। एंजियोप्लास्टी की तकनीकों का प्रदर्शन करने के लिए उन्हें फ्रांस, जापान, चीन, इटली, अमेरिका, श्रीलंका और सिंगापुर में शिक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था। एलटीएमजी सायन अस्पताल (पूरी तरह से निःशुल्क) में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने हजारों रोगियों का निःशुल्क इलाज किया है और कार्डियोलॉजी की उच्च-स्तरीय तकनीक द्वारा उनका उपचार किया है। उन्होंने जसलोक और एल.टी.एम. मेडिकल कॉलेज, मुंबई दोनों में अत्याधुनिक हृदय विभाग स्थापित किए।

3. अपने शानदार करियर के दौरान, डॉ. मेहता के नाम अनेक उपलब्धियां हैं। वह पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने 1973 में पहली एंजियोग्राफी और 1988 में एंजियोप्लास्टी; 1973 में नवजात शिशुओं का पहली बार कैथेटराइजेशन; 1974-75 में पहली बंडल इलेक्ट्रोग्राफी; महाराष्ट्र में 2डी-इकोकार्डियोग्राफी शुरू की। उन्होंने तीव्र माइकोकार्डियल इनफ्रैक्शन में प्राथमिक एंजियोप्लास्टी शुरू करने में अग्रणी भूमिका निभाई और 1993 में इसी विषय पर पहला पेपर प्रकाशित किया। वह 2002 में भारत में मेडिकेटेड ड्रग एल्यूटिंग स्टेंट प्रत्यारोपित करने वाले पहले व्यक्ति हैं, परक्यूटेनियस कार्डियो-पल्मनरी सपोर्ट असिस्टेड एंजियोप्लास्टी शुरू करने वाले अग्रणी लोगों में शामिल हैं और 2013 में पश्चिमी भारत में ट्रांस-कैथेटर एओर्टिक वाल्व रिप्लेसमेंट करने वाले पहले व्यक्ति हैं।

4. डॉ. मेहता ने कार्डियोलॉजी और मानव सेवा में अपने योगदान के लिए कई पुरस्कार जीते हैं, जैसे 2004 में पद्म श्री पुरस्कार; 2004 में महाराष्ट्र सरकार द्वारा महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार; एंड्रियास गुएंत्ज़िग मेमोरियल अवार्ड; नई दिल्ली में एआईसीटी 2012 में गोल्डन कंट्रीब्यूशन अवार्ड; मुंबई में प्रथम आईजेसीटीओमीट में लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड; सीएसआई सम्मेलन 2018 में और एशिया पैसिफिक वैस्कुलर इंटरवेंशन क्लब सोसाइटी द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड; कंटीन्यूअस मेडिकल एजुकेशन अवार्ड एंड समिट 2019 द्वारा "द्रोणाचार्य ऑफ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी" पुरस्कार; वर्ष 2020 में जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के ट्रस्टी और प्रबंधन द्वारा पहला जसलोक रत्न पुरस्कार; टाइम्स हेल्थकेयर लीडर्स अवार्ड 2021 में कार्डियोलॉजी में उत्कृष्टता पुरस्कार; कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए मास्टर दीनानाथ मंगेशकर स्मृति प्रतिष्ठान की ओर से विशेष पुरस्कार।